राष्ट्रीय संस्करण

CopyRight - Jagran.com

वर्ष 3 अंक 43

दैनिक जागरण

मूल्य ₹5.00, नई दिल्ली, मंगलवार, 23 जुलाई 2019

www.jagran.com

पृष्ठ 16

इसरो और भारत ही नहीं, पूरी दुनिया को इस पल का इंतजार था। हम सफल रहे। हमने शानदार वापसी की। यह ऐतिहासिक यात्रा की शुरुआत है। पूरा प्रक्षेपण उम्मीद से भी बेहतर रहा। अब हम मिशन की अगली चुनौतियों के लिए तैयार हैं।

के. सिवन, इसरो चेयरमैन

यह है मिशन का महत्व

दुनिया के लिए : पृथ्वी के निर्माणक्रम से लेकर हमारे सौरमंडल को समझने का खुलेगा रास्ता

भारत के लिए : चांद पर यान उतारने का गौरव हासिल कर बनेगा महाशक्ति

इसरो के लिए : अपनी मेधा और क्षमता को साबित करने का मौका

चंद्रयान-2 का प्रक्षेपण हमारे वैज्ञानिकों की ताकत और 130 करोड़ भारतीयों के दृढ़ निश्चय को दिखाता है। भारत के लिए यह एक ऐतिहासिक क्षण है। आज पूरा देश गौरवान्वित है। यह पूरी तरह से स्वदेशी मिशन है। दिल में भारतीय, भावना में भारतीय...

नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने कार्यालय से ही चंद्रयान-2 के सफल प्रक्षेपण के साक्षी बने ● एएनआइ

चांद चले हम

धरती की कक्षा में चंद्रयान-2 सफलतापूर्वक हुआ स्थापित

श्रीहरिकोटा, एजेंसियां : 50 बरस का इसरो अगले 48 दिन में 15 मुश्किल पड़ावों को पार करते हुए चंद्रयान-2 के लैंडर-रोवर को चांद की सतह पर उतार देगा। इस ऐतिहासिक उपलब्धि की ओर पहला कदम बढ़ाते हुए सोमवार को दोपहर 2:43 बजे चंद्रयान-2 को लांच किया गया। अपने कंधे पर सवा सौ करोड़ भारतीयों की उम्मीद लिए इसरो के 'बाहुबली' रॉकेट ने प्रक्षेपण के 16 मिनट बाद यान को सुरक्षित तरीके से पृथ्वी की कक्षा में स्थापित कर दिया। जैसे ही यान ने रॉकेट से अलग होकर अपना सफर शुरू किया, इस अभियान से जुड़े हर शख्स के चेहरे पर खुशी की लहर दौड़ गई। खुशी के इस मौके पर हर भारतीय के मन में मानो बस तीन शब्द गूंज रहे थे 'चांद चले हम'। सात सितंबर को जैसे ही चांद की सतह पर चंद्रयान-2 के लैंडर-रोवर कदम रखेंगे, भारत यह उपलब्धि हासिल करने वाला चौथा देश बन जाएगा। अब तक केवल अमेरिका, रूस और चीन ने ही अपने यान चांद पर उतारे हैं।

अमेरिका ने जब चांद की सतह पर मानव भेजने का अभियान पूरा कर लिया था, उसके करीब महीनेभर बाद 15 अगस्त, 1969 को भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) की स्थापना की गई थी। आज भारतीय वैज्ञानिकों ने अपनी मेधा से उस ऊंचाई को छू लिया है कि चंद्रयान-2 के साथ अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने भी अपना पेलोड भेजा है। जितने खर्च में हॉलीवुड की हालिया ब्लॉकबस्टर 'अवेंजर्स : एंडगेम' बनी थी, उससे तिहाई खर्च में इसरो ने चंद्र अभियान को अंजाम दिया है।

देर आए, दुरुस्त आए : चंद्रयान-2 को 15 जुलाई की सुबह 2:51 बजे लांच करने की तैयारी थी। हालांकि उस दिन लांचिंग से 56 मिनट पहले रॉकेट में कुछ गड़बड़ी दिखने के कारण अभियान को टाल दिया गया था। वैज्ञानिकों का कहना था कि ऐसे अभियान में देरी स्वीकार्य है, लेकिन खामी नहीं। ऐसे हर अभियान से देश के करोड़ों लोगों की उम्मीद जुड़ी होती है। जरा सी खामी अभियान को खतरे में डाल सकती है। सोमवार को इसरो ने पूरे अभियान को जितने सटीक तरीके से अंजाम दिया, उसे देखकर कहा जा सकता है कि देर आए, मगर दुरुस्त आए। लांचिंग से लेकर यान के पृथ्वी की कक्षा में पहुंचने तक के 16 मिनट का सफर जितने सटीक तरीके से बीता, वह किसी वैज्ञानिक अभियान के लिए बड़ी उपलब्धि होती है। इसरो ने इस अभियान को उम्मीद से बेहतर बताया है।

बाहुबली ने भी बाहुबली को सराहा : चंद्रयान-2 की लांचिंग की जिम्मेदारी इसरो ने अपने सबसे भारी रॉकेट जियोसिंक्रोनस सेटेलाइट लांच व्हीकल-मार्क 3 (जीएसएलवी-एमके 3) को सौंपी थी। 640 टन वजनी इस रॉकेट की लागत 375 करोड़ रुपये है। इसरो ने इसे 'फैट बॉय' (मोटा लड़का) नाम दिया है। वहीं मीडिया ने सुपरहिट फिल्म के नाम पर इसे 'बाहुबली' नाम दिया है। 'बाहुबली' फिल्म में मुख्य भूमिका निभाने वाले अभिनेता प्रभास ने भी इस मौके पर ट्वीट कर बधाई दी। उन्होंने लिखा, 'यह हम सब भारतीयों के लिए गौरव का क्षण है। यह 'बाहुबली' फिल्म से जुड़े हम सभी लोगों के लिए भी सम्मान की बात है कि इसरो के सबसे शक्तिशाली रॉकेट को 'बाहुबली' नाम दिया गया है।'

एक यान, कई उम्मीदें

11 साल पहले चंद्रयान-1 के रूप में भारत ने चांद की ओर पहला मिशन भेजा था। यह एक ऑर्बिटर मिशन था, जिसने 10 महीने चांद का चक्कर लगाया था। चांद पर पानी की खोज का श्रेय भारत के इसी अभियान को जाता है। अब चंद्रयान-2 इसी उपलब्धि की आगे की कड़ियां जोड़ेगा और चांद पर पानी व विभिन्न खनिजों की उपस्थिति के प्रमाण जुटाएगा। इस यान के तीन हिस्से हैं - ऑर्बिटर, लैंडर और रोवर। भारत में अंतरिक्ष विज्ञान के जनक कहे जाने वाले विक्रम साराभाई के नाम पर लैंडर का नाम विक्रम रखा गया है। वहीं रोवर का नाम प्रज्ञान है, जो संस्कृत शब्द है, जिसका अर्थ होता है ज्ञान। ऑर्बिटर सालभर चांद का चक्कर लगाते हुए प्रयोगों को अंजाम देगा। लैंडर और रोवर चांद की सतह पर कुल 14 दिन तक प्रयोग करेंगे।

विशेष पेज » 5,6,7

प्रक्षेपण की सफलता के बाद इसरो की पूरी टीम उत्साह से भर उठी ● एएनआइ

ऐसा होगा सफर

धरती के इर्द-गिर्द	1 से 23वें दिन तक
चांद की ओर रवाना	23वें दिन
चांद के सफर पर	23वें से 30वें दिन
चांद की कक्षा में प्रवेश	30वें दिन
चांद के इर्द-गिर्द	30वें से 42वें दिन
लैंडर-ऑर्बिटर का अलगाव	43वें दिन
रफ्तार धीमी करने की प्रक्रिया	44वें दिन
नियंत्रित लैंडिंग की प्रक्रिया	48वें दिन
लैंडिंग	48वें दिन

शहीद का बेटा बना लेफ्टिनेंट तो गर्व से भर उठी मां

मुजफ्फरनगर : कारगिल युद्ध के दौरान छह वर्ष की उम्र में जुड़वां बेटों के सिर से पिता का साया उठ गया। शहादत पर सबको गर्व था, लेकिन वेदना विकट। विषम हालात के बावजूद मां ने धैर्य खोने के बजाय बेटों को भी वतन की हिफाजत में लगाने की ठान ली। (पेज-15)

आम्रपाली मामले में सुप्रीम कोर्ट का फैसला आज

नई दिल्ली, प्रेट्र : आम्रपाली की रुकी हुई परियोजनाएं कौन पूरा करेगा इस बारे में सुप्रीम कोर्ट मंगलवार को फैसला सुना सकता है। कोर्ट के फैसले से रियल एस्टेट के परेशान 42000 से ज्यादा घर खरीदने वालों को राहत मिल सकती है। नोएडा और ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने कहा था कि आम्रपाली समूह की रुकी हुई परियोजनाएं पूरी करने के लिए उनके पास संसाधन और अनुभव नहीं है। इसके बाद 10 मई को शीर्ष कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया था।

कर्नाटक में आधी रात तक चला सियासी नाटक

- सत्ता पक्ष ने विधानसभा अध्यक्ष से किया गया वादा नहीं पूरा किया
- रमेश ने इस्तीफा देने वाले विधायकों को आज कार्यालय में बुलाया

बेंगलुरु, प्रेट्र : कनार्टक विधानसभा में सोमवार को भी सियासी ड्रामे का पटाक्षेप नहीं हो पाया। आधी रात बाद मतदान कराए बगैर ही विधानसभा अध्यक्ष केआर रमेश ने कार्यवाही स्थगित करने की घोषणा कर दी। अब मंगलवार को फिर से विश्वास मत पर बहस जारी रहेगी। हालांकि केआर रमेश ने सदन में कार्यवाही प्रारंभ होने से पहले सरकार को हर हाल में विश्वास मत की प्रक्रिया पूरी करने की प्रतिबद्धता की याद दिलाई, पर उसका नतीजा नहीं निकला। कांग्रेस ने जोर दिया कि बागी विधायकों के इस्तीफे पर फैसला लिए जाने तक मतदान नहीं कराया जाए। विस अध्यक्ष ने बागी विधायकों को मंगलवार 11 बजे कार्यालय में मिलने के लिए बुलाया है। इस बीच कर्नाटक हाई कोर्ट में याचिका दायर कर विश्वास मत पर शीघ्र मतदान कराने की मांग की गई है।

कांग्रेस और जदएस विधायकों के इस्तीफे और दो निर्दलीय विधायकों के समर्थन वापसी के बाद संकट में घिरे मुख्यमंत्री एचडी कुमारस्वामी ने गुरुवार को विधानसभा में विश्वास मत पेश किया था। सत्ताधारी गठबंधन ने राज्यपाल वजुभाई वाला द्वारा दो बार तय की गई समयसीमा को नजरअंदाज किया। सत्ता पक्ष द्वारा मतदान पर और समय लेने के प्रयास में जुटे होने की रिपोर्ट के बीच रमेश ने कहा, विश्वास मत पर और देरी नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा, 'हम सार्वजनिक जीवन में हैं। लोग हमें देख रहे हैं। चर्चा के नाम पर यदि यह राय बनती है कि हम समय जाया कर रहे हैं तो वह मेरे या किसी और के लिए अच्छा नहीं होगा।'

कर्नाटक विधानसभा में जदएस-कांग्रेस सरकार के शक्ति परीक्षण पर सियासी ड्रामा सोमवार को भी जारी रहा। प्रेट्र

कांग्रेस नेता और वरिष्ठ मंत्री कृष्ण ब्यारे गौड़ा ने कहा, 'हम असामान्य स्थिति में हैं। मैं आसन से पहले विधायकों के इस्तीफा पर फैसला लेने का आग्रह करता हूं। इसके बिना विश्वास मत का औचित्य नहीं रह जाएगा। क्या इस्तीफा स्वैच्छिक व जायज है? क्या वे लोकतंत्र के खिलाफ नहीं हैं?' भाजपा को संदेह है कि कांग्रेस-जदएस सरकार बागियों को वापस बुलाने का समय लेने के लिए देरी कर रही है। भाजपा महासचिव मुरलीधर राव ने विस अध्यक्ष पर संविधान के उल्लंघन का आरोप लगाया। जगदीश शेट्टार ने कहा, आज ही विश्वास मत प्रक्रिया पूरी हो जानी चाहिए और बहस को अंतहीन नहीं बनाया जाए।

विधायक दल के नेता जारी कर सकते हैं व्हिप : विधानसभा अध्यक्ष ने व्यवस्था दी कि विधायक दल के नेता को व्हिप जारी करने का अधिकार है। यदि कोई शिकायत उनके पास पहुंचती है तो वह नियमों का पालन करते हुए फैसला लेंगे।

शिवसेना ने कहा, राष्ट्रपति शासन लागू करें या सरकार बर्खास्त हो : भाजपा की सहयोगी शिवसेना ने कहा कि कुमारस्वामी को इस्तीफा सौंप देना चाहिए। वह विधानसभा में बहुमत खो चुके हैं। पार्टी ने कहा, केंद्र सरकार या तो राज्य की कांग्रेस-जदएस सरकार को बर्खास्त करे या राष्ट्रपति शासन लागू करे। (पेज-3 देखें)

कश्मीर पर मध्यस्थता चाहते हैं मोदी : ट्रंप

जयप्रकाश रंजन, नई दिल्ली

- पाक पीएम इमरान खान के साथ प्रेस कांफ्रेंस में अमेरिकी राष्ट्रपति का बयान
- भारत का साफ इन्कार, तीसरे पक्ष की मध्यस्थता की कभी मांग नहीं की

अपने बयानों से कई बार कूटनीतिक हलचल मचाने वाले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फिर ऐसी बयानबाजी कर दी है जो ना सिर्फ घरेलू राजनीति में पीएम नरेंद्र मोदी को विपक्ष के हमले का शिकार बना सकता है बल्कि भारत व अमेरिका के बीच रिश्तों में तनाव घोल सकता है। ट्रंप ने कहा है कि भारत के पीएम नरेंद्र मोदी ने उनसे कश्मीर मुद्दे पर मध्यस्थता करने का प्रस्ताव रखा था। ट्रंप ने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान की वाशिंगटन स्थित व्हाइट हाउस में आगवानी करने के बाद औपचारिक प्रेस वार्ता में यह उद्गार व्यक्त किए। ट्रंप का बयान बेहद अहम इसलिए है कि अभी तक भारत ने कश्मीर पर किसी भी तीसरे पक्ष की मध्यस्थता स्वीकार नहीं करने की नीति अख्तियार कर रखी है जबकि पाक दुनिया के हर देश व संस्थान से मध्यस्थता की बात करता रहा है।

ट्रंप के इस बयान के करीब 50 मिनट बाद ही भारतीय विदेश मंत्रालय ने अपनी कश्मीर नीति में बदलाव से इन्कार कर दिया। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रवीश कुमार ने देर रात जारी बयान में कहा, 'हमने राष्ट्रपति ट्रंप का बयान देखा है जिसमें उन्होंने भारत-पाक के बीच कश्मीर मुद्दे पर मध्यस्थता करने की बात कही है। पीएम नरेंद्र मोदी ने इस तरह का कोई भी आग्रह राष्ट्रपति ट्रंप से नहीं किया है। भारत की यह स्थाई नीति रही है कि पाक के साथ हर लंबित मुद्दे का समाधान सिर्फ द्विपक्षीय वार्ता से ही हो सकती है। इस तरह की कोई वार्ता पाकिस्तान समर्थित आतंकवाद की समाप्ति पर ही होगी। शिमला समझौते और लाहौर घोषणापत्र भारत व पाकिस्तान के बीच के मुद्दे को सुलझाने का आधार देते हैं।'

पाक के पीएम इमरान खान व्हाइट हाउस में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ। रायटर

इमरान ने उठाया था मध्यस्थता मुद्दा : तीन दिन की यात्रा पर अमेरिका पहुंचे पाक पीएम इमरान खान ने बेहद चतुराई से अंतरराष्ट्रय मीडिया के सामने ट्रंप से बात करते हुए कश्मीर में मध्यस्थता का मुद्दा उठाया। खान ने कहा कि 'भारतीय उपमहाद्वीप की डेढ़ अरब जनता कश्मीर मुद्दे पर बंधक बनी हुई है। मुझे लगता है कि सिर्फ दुनिया का सबसे शक्तिशाली देश ही इस क्षेत्र के दो देशों को साथ ला सकता है। हमने भारत के साथ रिश्तों को सुधारने, बातचीत को शुरू करने की बहुत कोशिश की है लेकिन अभी तक कोई प्रगति नहीं हुई है। उम्मीद है राष्ट्रपति ट्रंप मदद करेंगे।' इसके जवाब में ट्रंप ने कहा कि, 'दो हफ्ते पहले मैं पीएम नरेंद्र मोदी के साथ था। हमने इस विषय पर बात की है। असलियत में उन्होंने (मोदी) ने मुझसे कहा कि क्या आप मध्यस्थता करेंगे, मैंने पूछा-कहां। तो मोदी ने कहा, कश्मीर में।' भारत इस बयान को लेकर इसलिए भी ज्यादा सतर्क है कि कुछ ही हफ्ते में पीएम मोदी अमेरिका की यात्रा पर जाने वाले हैं।

विपक्ष का मोदी पर निशाना : ट्रंप के इस बयान को लेकर विपक्षी पार्टियों ने प्रतिक्रिया जताने में कोई देरी नहीं की। कांग्रेस प्रवक्ता रणदीप सिंह सुरजेवाला ने कहा है कि भारत ने जम्मू व कश्मीर पर कभी भी तीसरे पक्ष की मध्यस्थता स्वीकार नहीं की है। पीएम मोदी ने विदेशी ताकत को मध्यस्थता का आमंत्रण दे कर राष्ट्रीय हित के साथ धोखा किया है। उन्हें राष्ट्र को जवाब देना चाहिए। माकपा नेता सीताराम येचुरी ने कहा, क्या हमारे पीएम के पास साहस है कि वह अमेरिकी राष्ट्रपति के सार्वजनिक बयान को झूठ करार दें। नेशनल कांफ्रेंस के उमर अबदुल्ला ने सवाल पूछा है कि क्या भारत ने अपना स्टैंड बदल लिया है। जबकि जम्मू व कश्मीर पीडीपी ने ट्रंप के बयान का स्वागत किया है कि दक्षिण एशिया में स्थाई शांति के हरसंभव कोशिश होनी चाहिए।

इमरान के साथ पाक सेना प्रमुख भी थे : पीटीआइ के मुताबिक ट्रंप और इमरान की भेंट के दौरान पाक सेना प्रमुख जनरल कमर जावेद बाजवा, आइएसआइ प्रमुख ले.जनरल फैज हमीद भी मौजूद थे।

शानदार जज्बा

सेना से छुट्टी पर लौटते वक्त आतंकियों ने कर लिया औरंगजेब को अगवा, खुफिया सूचनाएं साझा करने से इन्कार के बाद कर दी थी हत्या

आतंक से जंग जारी रखेंगे शहीद औरंगजेब के भाई

जागरण संवाददाता, राजौरी

आतंकियों की बर्बरता के बावजूद न झुकने वाले शहीद औरंगजेब की लड़ाई को अब उनके भाई पूरी करेंगे। उनके दो और भाइयों ने सेना की वर्दी पहन ली है और आतंक के खिलाफ लड़ाई जारी रखने का एलान किया है। ध्यान रहे 14 जून, 2018 को आतंकियों ने जांबाज फौजी औरंगजेब को उस समय अगवा कर मार डाला था जब वह ईद मनाने अपने घर पुंछ के सलानी गांव आ रहे थे। मरणोपरांत उन्हें शौर्य चक्र से सम्मानित किया गया था।

शहीद औरंगजेब के पिता और पूर्व सैनिक मुहम्मद हनीफ ने उस समय आतंकवाद से मुकाबले की इच्छा जाहिर की थी। उसके बाद उन्होंने दोनों बेटों को सेना में भर्ती होने के लिए तैयार किया ताकि दोनों भाई मिलकर आतंकवाद का सफाया करने में अहम भूमिका निभा सकें और भाई की शहादत का बदला ले सकें। अब शहीद औरंगजेब के दो भाई मुहम्मद तारिक और मुहम्मद शब्बीर सेना में बतौर सिपाही भर्ती हो चुके हैं और उस पल के इंतजार में हैं जब इन्हें आतंकी विरोधी अभियान में उतारा जाएगा। सोमवार को राजौरी में आयोजित नामांकन परेड में दोनों ने हिस्सा लिया। तारिक और शब्बीर ने मार्च माह में सुरनकोट में प्रादेशिक सेना भर्ती रैली में भाग लिया था। इस भर्ती रैली में 11 हजार के करीब युवाओं ने भाग लिया था और मात्र सौ युवा ही चुने गए थे।

शहीद औरंगजेब के दो भाई सोमवार को सेना में भर्ती हो गए। पिता के साथ दोनों भाई। आतंकियों ने 14 जून 2018 को औरंगजेब की हत्या कर दी थी। जागरण

आतंकवाद का डट कर मुकाबला करेंगे मेरे दोनों पुत्र : मुहम्मद हनीफ ने कहा, बेटे की शहादत के बाद सेना ने उन आतंकियों को लढेर कर दिया था, पर आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई अभी भी जारी है। अब तारीक व शब्बीर आतंकवाद से जंग के लिए तैयार हैं। दोनों भाई मिलकर आतंकवाद की कमर तोड़ने का कार्य करेंगे और आतंकवाद को समाप्त करके की दम लेंगे। उन्होंने कहा, मुझे गर्व है कि मेरे बेटे औरंगजेब ने देश के लिए उसने अपने प्राणों की आहुति दे दी।

एक भाई पहले से है सेना में : शहीद औरंगजेब के बड़े भाई मुहम्मद कासिम करीब 12 साल से सेना में सेवाएं दे रहे हैं। अब दो भाई और सेना में शामिल हो गए हैं। इसके अलावा दो छोटे भाई आसम और सोहेल अभी पढ़ रहे हैं। ये भी आगे चलकर सेना में शामिल होना चाहते हैं।

तेलंगाना के सीएम अपने गांव के प्रत्येक परिवार को देंगे 10 लाख

सिद्दीपेट (तेलंगाना), प्रेट्र : तेलंगाना सरकार मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव के पैतृक गांव चिंतमडाका में रहने वाले प्रत्येक परिवार को 10 लाख रुपये देगी। इसकी घोषणा स्वयं मुख्यमंत्री ने सोमवार को की। इस योजना से गांव के 2,000 परिवार लाभान्वित होंगे।

गांव में आयोजित एक कार्यक्रम में शामिल होने गए केसीआर ने कहा, 'मेरा जन्म सिद्दिपेट जिले के चिंतमडाका गांव में हुआ है। मैं इस गांव के लोगों का आभारी हूं। मैं आज यह एलान करता हूं कि मेरे गांव चिंतमडाका के प्रत्येक परिवार को सरकार की तरफ से 10 लाख रुपये दिए जाएंगे। 10 लाख रुपये की राशि से वे कुछ भी खरीद सकते हैं।' केसीआर ने आगे कहा, 'इस पैसे से चिंतमडाका गांव के लोग ट्रैक्टर, खेत और खेती की मशीनें खरीद सकते हैं। इसका फायदा गांव के कुल दो हजार परिवारों को मिलेगा।' मुख्यमंत्री की इस घोषणा से सरकारी राजस्व पर दो हजार करोड़ रुपये का बोझ पड़ेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि वे जल्द ही इस राशि को मंजूरी प्रदान कर देंगे।

आरटीआइ संशोधन बिल पर सरकार और विपक्ष आमने-सामने

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

- सूचना का अधिकार (संशोधन) विधेयक लोकसभा में पारित
- सूचना आयुक्तों की सेवा शर्तों व वेतन का निर्धारण कर सकेगी सरकार

विपक्ष के विरोध के बावजूद सूचना का अधिकार (संशोधन) विधेयक सोमवार को लोकसभा में पारित हो गया। यह विधेयक केंद्र एवं राज्य स्तर पर सूचना आयुक्तों के वेतन एवं सेवा शर्तें तय करने के लिए केंद्र सरकार को शक्ति देता है। विपक्ष का आरोप था कि सरकार संशोधन के जरिए मौजूदा कानून को कमजोर बना रही है। पिछले साल भी कानून में संशोधन की कोशिश की थी, लेकिन विरोध के चलते सरकार आगे नहीं बढ़ सकी थी। संशोधित बिल में कहा गया है कि केंद्र व राज्यों के मुख्य सूचना आयुक्तों, सूचना आयुक्तों के वेतन, भत्ते और सेवा शर्तें केंद्र सरकार तय करेगी। वहीं मूल कानून के अनुसार, अभी मुख्य सूचना आयुक्त और आयुक्तों का वेतन मुख्य निर्वाचन आयुक्त एवं निर्वाचन आयुक्तों के बराबर है।

सरकार ने कहा, वो आरटीआइ अधिनियम को संस्थागत स्वरूप प्रदान करने के साथ ही व्यवस्थित बनाना चाहती है। मंत्री जितेंद्र सिंह ने कहा, यूपीए सरकार के पहले कार्यकाल में आरटीआइ अधिनियम अफरा-तफरी में बनाया। न नियमावली बनाई न ही भविष्य में नियम बनाने का अधिकार रखा गया। मौजूदा कानून में कई सुधारों की जरूरत है। मुख्य सूचना आयुक्त को सुप्रीम कोर्ट के जज के समकक्ष माना जाता है, लेकिन उनके फैसले पर हाई कोर्ट में अपील की जा सकती है।

वहीं कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने कहा, मसौदा विधेयक केंद्रीय सूचना आयोग की स्वतंत्रता को खतरा पैदा करने वाला है। इस बिल के जरिए सरकार आरटीआइ के हनन की कोशिश कर रही है। अभी मुख्य सूचना आयुक्त का कार्यकाल पांच साल का होता है। इस बिल के जरिए उनका कार्यकाल तय करने का अधिकार सरकार को मिल जाएगा।